(1) गृहकार्य :

बलराम कुमार

रीतिकाल के सामान्य प्रवृत्तियाँ :-

i. लक्षण ग्रन्थ निरूपण ;-
ii. श्रृंगारिकता
iii. अलंकारिकता
iv. भक्ति एवं वैराग्य निरूपण
v. मुक्तक काव्यरूप ;-

Scanned with CamScanner

(vi) ब्रजभाषा की प्रधानता
(vii) वीररसपूर्ण काव्य
(viii) आलम्बन रूप में प्रकृति चित्रण :-
(ix) नारी निरूपण
(x) पराश्रय की भावना

6. निर्गुण भक्ति की सूफी काव्य परम्परा और इसके प्रतिनिधि कवि जायसी पर एक निबन्ध :-

सूफीयों का परिचय :

(i) सूफी सम्प्रदाय का आगमन :
(ii) सूफी सम्प्रदाय का स्वरूप
(iii) सूफी संत की सफलता :
(iv) सूफी काव्य का महत्व :
(v) प्रेम पर बल :
(vi) सूफी परम्परा में ~~जायसी~~ : प्रमुख कवि जायसी
(vii) सूफी संत में जायसी का महत्व :
(ix) प्रेमाश्रयी शाखा के अग्रणय :
(x) जायसी की भाषा

निष्कर्ष :-

7. छायावाद के प्रमुख प्रवृत्तियाँ या विशेषता :-

i. वैयक्तिकता :
ii. सौन्दर्यानुभूति :
iii. वेदना एवं पलायनवाद
iv. नारी के प्रति नवीन दृष्टिकोण
v. अज्ञात सत्ता के ~~बाद~~ प्रति आकर्षण :
vi. प्रकृति का मानवीकरण :
vii. अभिव्यंजना की अनूठी पद्धति -

8. द्विवेदी-युग की सामान्य प्रवृत्तियाँ :-

1. मानवतावादी दृष्टिकोण :
2. देश भक्ति

डॉ. बलरामकुमार
हिन्दी-विभाग
डॉ. एल. के. वी. डी.
कॉलेज ताजपुर
समस्तीपुर

बलरामकुमार

Scanned with CamScanner

(iii) स्वच्छन्द प्रकृति चित्रण ;
(iv) इतिवृतात्मकता एवं उपदेशात्मकता
(v) अनुवाद की प्रवृत्तियाँ
(vi) खड़ी बोली का व्याकरण भाषा ;
(vii) निष्कर्ष ;

प्रगतिवाद के उद्भव और विकास का वर्णन करते हुए इसके सामान्य प्रवृत्तियों को लिखे ?
i. पूँजीवाद का विरोध ;
ii. साम्यवाद का समर्थक
iii. भाषा शैली
iv. सांस्कृतिक समन्वय की भावना
v. कला पक्ष
vi. बौद्धिकता एवं व्यंग्य का प्रसार ;
vii. क्रांति की भावना
viii. सामाजिक समस्याओं का चित्रण

प्रयोगवाद के सामान्य प्रवृत्तियों को लिखे ?
i. विचारधारा से मुक्ति
ii. सत्यान्वेषण
iii. व्यक्तिवाद
iv. यथार्थ दृष्टि
v. लघुमानव की प्रवृत्तियाँ प्रतिष्ठा
vi. वासना की नग्न अभिव्यक्ति
vii. विद्रोह धार्मिकता
viii. शैल्पिक पक्ष

— X — X —

बलराम कुमार